हमें बालगृह के कार्यकर्ताओं द्वारा खेल खेलाए जाते है उसके पश्चात हम हमारे हाथ-पैर धो के खाना खाने के लिए भोजनशाला में भोजन के लिए एकत्र होते है तपश्चात हम मनोरंजन के हिसाब से T.V. देखते है उसके पश्चात हमे अपने शयन के लिए बालगृह के कार्यकर्ताओं के निर्देश अनुसार हमें अपने बिस्तर पर शयन करना होता है।

साथ ही उपरोक्त दिनचर्या में हमें अध्ययन भी करना होता है उस कार्य मे हमें बालगृह के कार्यकर्ता सहयोग करता है।

अन्त में एक ही चीज बताना चाहता हूँ कि यहा पर आ कर ~~मेरे को मेरे जीवन~~ मुझे बहुत अच्छा लग रहा है एवं मेरे जीवन में बहुत खुश हूँ। और मैं बड़ा होकर अध्यापक बनना चाहता हूँ।

बालक को बालगृह में आ के एक आनन्द की अनुभूति हो रही है एवं बालक बालगृह में आने से पूर्व के जीवन के बारे में चर्चा करना नहीं चाहता उस सम्बन्ध में उसे यदि कुछ पूछा जाए तो वह रोने लगता है।